नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली/लखनऊ। गुरुवार,28 अप्रैल 2016

एकेटीयू बनाएगा कॉलेजों में रिसर्च सेंटर

रिसर्च वर्क सुधारने की कवायद, यूनिवर्सिटी से मिलेगा कॉलेजों को फंड

■ एनबीटी, लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) रिसर्च को सुधारने के लिए कॉलेजों में यूनिवर्सिटी रिसर्च सेंटर स्थापित करने जा रही है। इसके लिए कॉलेजों से प्रपोजल मांगे गए हैं। कॉलेजों को 5 मई तक यूनिवर्सिटी को प्रपोजल भेजने हैं। बेस्ट प्रपोजल के आधार पर फंड देकर कॉलेजों में रिसर्च सेंटर बनाए जाएंगे।

इन रिसर्च सेंटर पीएचडी स्कॉलर्स और पीजी के स्टूडेंट्स को लाभ मिलेगा। पीएचडी स्कॉलर्स अब इन सेंटर्स पर जाकर गुणवत्तापरक शोध कर सकेंगे। सेंटरों पर मौजूद गाइड को पीएचडी स्कॉलर्स का सुपरवाइजर भी नियुक्त किया जाएगा। अब तक एकेटीयू में पीएचडी स्कॉलर्स खुद ही गाइड लाने पड़ते हैं और वे दूसरे संस्थानों के गाइडों के सुपरविजन में रिसर्च करते हैं। इस कारण शोध में गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं हो पाती है। इसके अलावा पीएचडी स्कॉलर्स को इन रिसर्च सेंटर्स पर आसानी से लैब मुहैया हो सकेगी।

कॉलेजों को 5 मई तक यूनिवर्सिटी को भेजना होगा प्रपोजल

25 रिसर्च सेंटर बनाने का प्रस्ताव

एकेटीयू के डीन पीजी स्टडीज ऐंड रिसर्च प्रो. वीरेंद्र पाठक ने बताया कि प्रदेश में 20 से 25 रिसर्च सेंटर बनाए जाने हैं। इसके लिए सभी कॉलेजों से प्रपोजल मांगे गए हैं। लखनऊ में भी कई केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अगले सत्र से पीएचडी स्कॉलर्स को इन सेंटर का लाभ मिलने लगेगा।

ये भी होगा लाभ

एकेटीयू सीवी रमन टीचिंग असिस्टेंस प्रोग्राम के तहत एमटेक के 50 छात्रों को और होमी भाभा टीचिंग असिस्टेंस प्रोग्राम के तहत पीएचडी के 50 स्कॉलर्स को टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर चयनित करेगा। ये स्टूडेंट और स्कॉलर रिसर्च के साथ कॉलेजों में पढ़ाएंगे। इसके एवज में इन्हें भुगतान भी होगा। भुगतान का 50 फीसदी हिस्सा एकेटीयू और 50 फीसदी हिस्सा कॉलेज देगा। वहीं, विश्वेश्वरैया रिसर्च प्रमोशन स्कीम के तहत कॉलेजों के शिक्षकों से 50 रिसर्च प्रपोजल मांगे जाएंगे। विशेषज्ञों का एक पैनल उसमें से बेहतर शोध प्रस्तावों का चयन करेगा। सभी चयनित प्रस्तावों को पांच लाख रुपये शोध राशि के तौर पर मिलेंगे। इससे रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा सेमिनार और वर्कशॉप के लिए भी संस्थानों को धनराशि यूनिवर्सिटी की ओर से दी जाएगी।